लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2304

08 जुलाई, 2019 को उत्तर के लिए

इस्पात के आयात में वृद्धि

2304. डॉ॰ शशि थरूरः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या वर्ष 2014 के बाद से जापान और दक्षिण कोरिया से इस्पात के आयात में वृद्धि हुई है;

(ख) यदि हां, तो वर्ष 2014 के बाद से इस्पात के आयात में प्रतिशत-वार वृद्धि का देश-वार और वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या वर्ष 2014 के बाद से रेलवे द्वारा इस्पात के आयात में वृद्धि हुई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या यह सच है कि राष्ट्रीय इस्पात नीति में सरकारी परियोजनाओं हेतु देश में ही विनिर्मित इस्पात का उपयोग करने पर बल दिया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इस्पात मंत्री **(श्री धर्मेंद्र प्रधान)**

(क): वित्त वर्ष 2013-14 से 2018-19 तक दक्षिण कोरिया से इस्पात के आयात में 122% की वृद्धि हुई है जबकि जापान से इस्पात के आयात में 4% तक की कमी आई है।

(ख): विगत पाँच वर्षों और अप्रैल-मई 2019 के दौरान जापान और दक्षिण कोरिया से भारत द्वारा कुल फिनिश्ड इस्पात (अलॉय/स्टेनलेस+नॉन-अलॉय) के आयात में प्रतिशत परिवर्तन के आंकड़े निम्नवत् हैं:

कुल फिनिश्ड इस्पात का आयात				
अवधि	जापान		दक्षिण कोरिया	
	मात्रा (हजार टन में)	% परिवर्तन	मात्रा (हजार टन में)	% परिवर्तन
2013-14	1358	-14	1321	-21
2014-15	1583	17	1875	43
2015-16	2160	36	3007	60
2016-17	1136	-47	2103	-30
2017-18	1176	4	2473	18
2018-19*	1299	10	2936	19
अप्रैल-मई 2019*	187	-18	457	-2
स्रोत: जेपीसी; * अनंतिम				

(ग): जी हाँ। वित्त वर्ष 2015-19 के दौरान रेलवे के लिए इस्पात के आयात में 319% की वृद्धि हुई है।

(घ): सरकार ने घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए सरकारी खरीद और टेंडरों में घरेलू विनिर्मित लोहा एवं इस्पात उत्पादों को वरीयता प्रदान करने हेतु एक विशेष नीति अधिसूचित की है।

****